पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल ने डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में आयोजित एक कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने हेतु विभिन्न संसाधन सामग्रियों का किया वितरण

विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं का बहुआयामी विकास आवश्यक

बेटा और बेटी दोनों को समान रूप से शिक्षित एवं विकसित बनाना आवश्यक

हमारी युवा पीढ़ी शिक्षित, संस्कारी एवं आत्मनिर्भर होगी तो अपनी परंपराओं को गहराई से समझेगी और उन्हें आगे बढ़ाएगी

जब समाज में हर वर्ग को समान अवसर और सशक्तिकरण मिलेगा तो देश प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ेगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा

सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के उत्थान में सहायक

प्रदेश में विकास की गति निरंतर प्रगति पर

आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए ताकि हर बच्चा स्वस्थ, शिक्षित और आत्मनिर्भर बन सके

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 28 मार्च, 2025

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या में आयोजित एक कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने हेतु विभिन्न संसाधन सामग्रियों का वितरण किया।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने पूज्य संत श्री रमेश भाई ओझा एवं जिला प्रषासन के सहयोग से 251 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री–स्कूल किट, 338 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को गैस कनेक्षन, 338 नॉन–कोलोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों में खाना बनाने हेतु बर्तन, 338 इंसीनेटर तथा 05 बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत लैपटॉप वितरित किया।

इसके अतिरिक्त राज्यपाल जी ने 144 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र सौंपे और कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकत्रियों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र में कुपोषण और मातृ–शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाएं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि पूज्य संत रमेश भाई ओझा ऐसे संत हैं, जो शिक्षा क्षेत्र से वर्षों से जुड़े हुए हैं और विशेष रूप से बच्चियों को शिक्षित करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि पूज्य संत अपनी कथाओं के माध्यम से अटल आवासीय शिक्षा का प्रचार–प्रसार कर लोगों को बेटियों की शिक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया मनमोहक एवं सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय है। ऐसे छोटे बच्चों को तैयार करना एक कठिन कार्य होता है, जिसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं प्रशिक्षक दोनों को बधाई। अवध विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत की संकल्पना एवं लौह पुरुष सरदार पटेल एवं राष्ट्रीय एकता पर आधारित विचारों की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि प्रदेश के सभी शैक्षिक संस्थानों को छात्राओं को इस प्रकार तैयार करना चाहिए कि वे केवल विद्या अर्जित न करें, बल्कि सामाजिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों एवं व्यक्तित्व विकास में भी सशक्त बनें। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं का बहुआयामी विकास आवश्यक है।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को भेदभाव से ऊपर उठकर बेटा और बेटी दोनों को समान रूप से शिक्षित एवं विकसित बनाना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि हमारी युवा पीढ़ी शिक्षित, संस्कारी एवं आत्मनिर्भर होगी, तो वह न केवल अपनी परंपराओं को गहराई से समझेगी, बल्कि उन्हें आगे भी बढ़ाएगी।

राज्यपाल जी ने यह भी कहा कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया समाज के निर्माण से जुड़ी होती है। जब समाज में हर वर्ग को समान अवसर और सशक्तिकरण मिलेगा, तब ही देश प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ेगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा।

उन्होंने कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या की सराहना करते हुए कहा कि जनपद अयोध्या में आंगनबाड़ी केंद्रों के कायाकल्प के लिए किए गए प्रयास अनुकरणीय हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में जो कार्य यहां किए गए हैं, उन्हीं प्रयासों को प्रदेश के अन्य जनपदों में भी लागू कर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अयोध्या में आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को रेलवे स्टेशन, बाजार, पुलिस स्टेशन आदि का भ्रमण कराया जा रहा है, जिससे वे वास्तविक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की समझ विकसित कर सकें। इसके साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के प्रशिक्षण एवं उनके स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के लिए किए जा रहे प्रयास भी अत्यंत सराहनीय हैं। राज्यपाल जी ने कहा कि इन प्रयासों से न केवल आंगनबाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि बच्चों के समग्र विकास में भी सहायता मिलेगी।

राज्यपाल जी ने कहा कि प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न जनपदों में तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं विभिन्न जनपदों का भ्रमण कर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अवलोकन किया। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं न केवल आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के उत्थान में सहायक सिद्ध हो रही हैं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि प्रदेश में विकास की गति निरंतर प्रगति पर है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में नन्हे–मुन्ने बच्चों और गर्भवती महिलाओं की देखभाल के लिए एक महत्वपूर्ण मंच हैं। ये केंद्र न केवल बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर कार्य कर रहे हैं, बल्कि खेल आधारित शिक्षा के माध्यम से उनके बौद्धिक और सामाजिक विकास में भी योगदान दे रहे हैं। आंगनबाड़ी केन्द्र भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवा का एक अभिन्न अंग हैं। यह केंद्र बच्चों के समग्र विकास, उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, और संपूर्ण पोषण के लिए कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए ताकि हर बच्चा स्वस्थ, शिक्षित और आत्मनिर्भर बन सके।

उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। इन व्यक्तियों को छह श्रेणियों में सम्मानित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की छात्राएं, बाल विकास परियोजना अधिकारी, वरिष्ठ सहायक, मुख्य सेविकाएं तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां

शामिल थीं। इन्हें विभागीय कार्यों, उत्कृष्ट मंच संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन, समाज सेवा तथा अन्य कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। राज्यपाल जी ने सभी पुरस्कृत व्यक्तियों को बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की और समाज सेवा व बाल विकास के क्षेत्र में उनके प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम से पहले राज्यपाल जी ने प्री स्कूल किट्स प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें विभिन्न गीत, नृत्य और नाटक का आयोजन किया गया। इसके अलावा, विश्वविद्यालय की छात्राओं ने विस्तृत भारत की संकल्पना तथा लौह पुरूश सरदार पटेल एवं राष्ट्रीय एकता विषय पर प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में आईसीडीएस की सेवाओं के गुणवत्ता उन्नयन में सीएसआर की भूमिका, चुनौतियां और समाधान पर अपने विचार राज्यपाल जी के सामने प्रस्तुत किया।

पूज्य संत श्री रमेश भाई ओझा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के विकास के साथ ही राष्ट्र का विकास संभव है। उन्होंने कहा कि धर्म व्यवस्था, समाज व्यवस्था एवं राज्य व्यवस्था के समुचित संचालन से ही समय को सुव्यवस्थित रखा जा सकता है। अपने प्रेरणादायक वचनों के माध्यम से उन्होंने महिलाओं, शिशुओं और धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए यह संदेश दिया कि यदि राष्ट्र का निर्माण करना है, तो सबसे पहले चरित्र का निर्माण आवश्यक है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती बेबीरानी मौर्य ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम सराहनीय रहा, साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर आधारित लघु फिल्म का उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण किया गया। उन्होंने कहा कि अयोध्या के आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां माँ यशोदा की भांति बच्चों के विकास में समर्पित हैं, और उनके सेवा भाव की जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। अयोध्या के आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित नवाचारों एवं कार्यक्रमों को प्रदेशभर में लागू किया जाएगा और इन्हें एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

जिलाधिकारी श्री चंद्र विजय सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय राज्यपाल महोदया एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में अयोध्या के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधाओं से सुसज्जित करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि जनपद के 1009 आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प कराया गया है तथा सीएसआर और विभागीय सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्रों को किट्स, बर्तन, गैस आदि आवश्यक

संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के प्रशिक्षण, स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता का नियमित मूल्यांकन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नए आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत अयोध्या धाम के 15 वार्डों में 70 स्थानों पर भूमि चिन्हांकन का कार्य पूरा कर लिया गया है। महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा पदों की स्वीकृति के बाद 88 हजार से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, मुख्य विकास अधिकारी श्री कृष्ण कुमार सिंह, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियाँ, स्कूली बच्चे, लाभार्थीगण सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

————

सम्पर्क सूत्र
डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0—9161668080

श्रीमती आनंदीबेन पटेल